फ़ोन के डेसिबल मीटर ऐप कितने सटीक हैं ? (2026 परीक्षण और तुलना)

हम स्मार्टफ़ोन से ध्वनि मापने की सटीकता जाँचते हैं, कैलिब्रेशन की तकनीकें समझाते हैं और 2026 में डेसिबल मीटर ऐप्स की तुलना पेशेवर उपकरणों से करते हैं।

लेखक: Lubor Šimůnek · प्रकाशित: April 28, 2026 · उत्पादकता

ऑनलाइन संस्करण : https://appstoryo.com/hi/blog/how-accurate-phone-decibel-meter-apps



आप अपना फ़ोन निकालते हैं, कोई डेसिबल मीटर ऐप खोलते हैं और स्क्रीन पर एक संख्या देखते हैं। पर क्या उस पर भरोसा किया जा सकता है ? चाहे आप कार्यस्थल पर शोर का स्तर जाँच रहे हों, यह माप रहे हों कि आपकी घास काटने की मशीन वाकई कितनी तेज़ है, या पड़ोसी की देर रात की पार्टी का प्रमाण जुटा रहे हों — सवाल हमेशा एक ही रहता है : फ़ोन के डेसिबल मीटर ऐप कितने सटीक हैं और क्या वे आपकी ज़रूरत के लिए पर्याप्त भरोसेमंद हैं ?

संक्षिप्त उत्तर यह है कि आधुनिक स्मार्टफ़ोन, एक अच्छी तरह बनाए गए ऐप के साथ, पेशेवर स्तर के मापों के आश्चर्यजनक रूप से करीब पहुँच सकते हैं — पर तभी, जब आप उनकी सीमाएँ समझें और सटीकता सुधारने के लिए कुछ आसान कदम उठाएँ। इस लेख में हम फ़ोन के माइक्रोफ़ोन के पीछे के विज्ञान, उनकी परिशुद्धता पर स्वतंत्र शोध के निष्कर्षों, और सबसे भरोसेमंद रीडिंग पाने के तरीकों पर बात करेंगे।

NoiseLedger को iOS पर मुफ़्त डाउनलोड करें

फ़ोन के माइक्रोफ़ोन ध्वनि कैसे मापते हैं

हर आधुनिक स्मार्टफ़ोन में कम से कम एक MEMS (सूक्ष्म विद्युत-यांत्रिक प्रणाली) माइक्रोफ़ोन होता है। ये छोटे-से सिलिकॉन चिप ध्वनि दाब तरंगों को विद्युत संकेतों में बदलते हैं, जिन्हें फ़ोन का प्रोसेसर समझ सकता है। कॉल के दौरान जो माइक्रोफ़ोन आपकी आवाज़ पकड़ता है, वही आपका डेसिबल मीटर ऐप आसपास का शोर मापने के लिए इस्तेमाल करता है।

पिछले दशक में MEMS माइक्रोफ़ोन में ज़बरदस्त सुधार हुआ है। मौजूदा पीढ़ी के घटक ऐसी आवृत्ति अनुक्रिया देते हैं जो श्रव्य परास के अधिकांश हिस्से को — लगभग 20 हर्ट्ज़ से 20,000 हर्ट्ज़ तक — कवर करती है, और मध्य परास में उचित रूप से समतल रहती है। इनका अपना शोर स्तर आमतौर पर 25 से 30 dBA के बीच होता है, यानी ये शांत कमरे में फुसफुसाहट जितनी धीमी आवाज़ भी पकड़ सकते हैं।

फिर भी, फ़ोन के माइक्रोफ़ोन मुख्य रूप से आवाज़ के संचार के लिए बनाए गए थे, परिशुद्ध ध्वनिक मापन के लिए नहीं। इससे कुछ अंतर्निहित सीमाएँ आती हैं, जिनके बारे में जानना ज़रूरी है।

डायनामिक रेंज। पेशेवर टाइप 1 साउंड लेवल मीटर लगभग 20 dBA से 140 dBA या उससे ऊपर तक माप सकते हैं। फ़ोन के माइक्रोफ़ोन मॉडल के अनुसार आमतौर पर 100 से 110 dBA के बीच कहीं क्लिप (विकृत) होने लगते हैं। इसका मतलब है कि बेहद तेज़ आवाज़ें — रॉक कॉन्सर्ट की पहली पंक्ति, पास से चलती चेनसॉ — उस सीमा से आगे जा सकती हैं जिसे आपका फ़ोन सही ढंग से पकड़ पाता है।

आवृत्ति अनुक्रिया में भिन्नता। MEMS माइक्रोफ़ोन 200 हर्ट्ज़ से 8 किलोहर्ट्ज़ की परास में (जहाँ अधिकांश मानवीय वाणी होती है) काफ़ी हद तक समतल होते हैं, पर निचले सिरे पर अक्सर गिरावट दिखाते हैं और ऊँची आवृत्तियों पर उभार या गड्ढे बना सकते हैं। फ़ोन की बॉडी, माइक्रोफ़ोन के छिद्र की स्थिति और यहाँ तक कि छिद्र पर लगी सुरक्षात्मक जाली भी अनुक्रिया वक्र को प्रभावित करती है।

उपकरण-दर-उपकरण अंतर। एक ही मॉडल के दो फ़ोन केवल माइक्रोफ़ोन और एनालॉग-टू-डिजिटल कन्वर्टर की निर्माण सहनशीलता के कारण 1 से 3 dB तक अलग रीडिंग दे सकते हैं। अलग-अलग मॉडल या ब्रांड के दो फ़ोन तो बॉक्स से निकलते ही 5 dB या उससे अधिक अंतर दिखा सकते हैं। यही सबसे बड़े कारणों में से एक है कि बिना कैलिब्रेट की गई कच्ची रीडिंग को अनुमानित ही माना जाना चाहिए।

फ़ोन डेसिबल मीटर की सटीकता पर शोध क्या कहता है

इस विषय पर सबसे अधिक उद्धृत अध्ययन NIOSH (अमेरिका का राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संस्थान) से आता है, जिसने iOS और Android उपकरणों पर कई साउंड लेवल मीटर ऐप्स का परीक्षण किया। बाद के प्रकाशनों में अद्यतन किए गए उनके निष्कर्षों से पता चला कि iOS पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ऐप्स ने टाइप 2 साउंड लेवल मीटर की तुलना में जमा-घटा 2 dBA की सटीकता हासिल की — यही मानक कार्यस्थल के शोर संबंधी अनुपालन में इस्तेमाल होता है।

2 dBA का यह अंतर महत्वपूर्ण है। संदर्भ के लिए, ANSI और IEC मानकों के तहत टाइप 2 साउंड लेवल मीटरों को स्वयं जमा-घटा 2 dB की सहनशीलता दी जाती है। यानी एक अच्छी तरह कैलिब्रेट किया गया फ़ोन ऐप बुनियादी पेशेवर उपकरण जितनी ही सटीकता श्रेणी के करीब पहुँच सकता है।

हालाँकि NIOSH के शोध ने कुछ अहम चेतावनियाँ भी रेखांकित कीं। ऐप्स के बीच सटीकता में काफ़ी अंतर था : कुछ ने अच्छा प्रदर्शन किया, कुछ 5 से 10 dB या उससे भी ज़्यादा भटक गए। iOS उपकरणों ने आम तौर पर Android से बेहतर प्रदर्शन किया, क्योंकि Apple अधिक एकरूप हार्डवेयर शृंखला इस्तेमाल करता है और बेहतर निम्न-स्तरीय ऑडियो एपीआई देता है। और सबसे अहम बात, कैलिब्रेशन ने मापने योग्य फ़र्क डाला : जिन ऐप्स ने उपयोगकर्ताओं को कैलिब्रेशन ऑफ़सेट लगाने दिया, उन्होंने बाकियों से बेहतर काम किया।

अन्य स्वतंत्र अध्ययनों ने भी ऐसे ही निष्कर्षों की पुष्टि की है। Journal of the Acoustical Society of America में प्रकाशित शोध में पाया गया कि स्मार्टफ़ोन से किए गए माप प्रारंभिक शोर सर्वेक्षण, आवासीय शोर आकलन और व्यक्तिगत जोखिम निगरानी के लिए पर्याप्त भरोसेमंद हैं — ये सभी ऐसी स्थितियाँ हैं जहाँ 2 से 3 dBA का अंतर स्वीकार्य है। अध्ययन लगातार सटीकता सुधारने के दो सबसे अहम कारकों के रूप में कैलिब्रेशन और माइक्रोफ़ोन की स्थिति पर ध्यान देने की सिफ़ारिश करते हैं।

ऐप के अलावा आपके नतीजों को प्रभावित करने वाले कारकों में फ़ोन कवर की सामग्री (मोटे सिलिकॉन कवर ऊँची आवृत्तियों को 2 से 4 dB तक दबा सकते हैं), हवा का शोर (माइक्रोफ़ोन छिद्र के ऊपर से बहती हल्की हवा भी 10 dB या उससे अधिक निम्न-आवृत्ति शोर जोड़ सकती है), और ध्वनि स्रोत के सापेक्ष फ़ोन का कोण व दूरी शामिल हैं।

कैलिब्रेशन : सटीक माप की कुंजी

अपने फ़ोन के ध्वनि मापों की सटीकता सुधारने के लिए कैलिब्रेशन अकेला सबसे प्रभावशाली कदम है। कैलिब्रेशन के बिना आपकी रीडिंग वही झुकाव दर्शाती है जो आपके विशिष्ट माइक्रोफ़ोन, एनालॉग-टू-डिजिटल कन्वर्टर और सॉफ़्टवेयर प्रसंस्करण शृंखला से आता है — और यह झुकाव कई डेसिबल तक हो सकता है।

कैलिब्रेशन में आपके फ़ोन की रीडिंग की तुलना किसी ज्ञात संदर्भ से की जाती है और फिर एक सुधार ऑफ़सेट लगाया जाता है।

मसलन, अगर पेशेवर साउंड लेवल मीटर 85.0 dBA दिखाता है और उसी ध्वनि के लिए आपका ऐप 82.3 dBA दिखाता है, तो आप +2.7 dB का कैलिब्रेशन ऑफ़सेट लगाएँगे। उसके बाद ऐप हर कच्ची रीडिंग में 2.7 dB जोड़कर उसे संदर्भ उपकरण के अनुरूप कर देता है।

NoiseLedger इसे बेहद आसान बनाता है। ऐप में एक कैलिब्रेशन स्क्रीन है, जहाँ आप dB में ऑफ़सेट मान भरते हैं। एक बार सेट होने पर यह ऑफ़सेट आगे के सभी मापों पर वास्तविक समय में लागू होता है। आप जब चाहें फिर से कैलिब्रेट कर सकते हैं, और ऑफ़सेट सत्रों के बीच सुरक्षित रहता है। यही साधारण सुविधा एक उपभोक्ता माइक्रोफ़ोन को ऐसे औज़ार में बदल देती है जो पेशेवर सटीकता के करीब पहुँच सके।

NoiseLedger को iOS पर मुफ़्त डाउनलोड करें

अगर संदर्भ के लिए आपके पास पेशेवर मीटर नहीं है, तब भी शुरुआती स्थिति सुधारने के तरीके हैं। आप कोई ज्ञात ध्वनि स्रोत इस्तेमाल कर सकते हैं — कुछ कैलिब्रेशन टोन जनरेटर निर्दिष्ट दूरी पर प्रलेखित आउटपुट स्तर देते हैं। आप किसी सहकर्मी के कैलिब्रेट किए उपकरण से मिलान कर सकते हैं, या अपने विशिष्ट फ़ोन मॉडल के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कैलिब्रेशन आँकड़े इस्तेमाल कर सकते हैं। मोटा-मोटी कैलिब्रेशन भी बिल्कुल कैलिब्रेशन न होने से कहीं बेहतर है।

A-वेटिंग बनाम Z-वेटिंग : किसका इस्तेमाल करें ?

जब आप ध्वनि स्तर को dBA या dBZ में लिखा देखते हैं, तो वह अक्षर माप पर लागू की गई आवृत्ति वेटिंग वक्र को दर्शाता है। सार्थक नतीजों के लिए यह समझना ज़रूरी है कि कौन-सी वेटिंग इस्तेमाल करनी है।

A-वेटिंग (dBA) ऐसा फ़िल्टर लगाती है जो मानव कान की प्रबलता-अनुभूति का अनुमान लगाता है। हमारे कान बहुत कम (लगभग 500 हर्ट्ज़ से नीचे) और बहुत ऊँची (लगभग 6 किलोहर्ट्ज़ से ऊपर) आवृत्तियों के प्रति मध्य आवृत्तियों की तुलना में कम संवेदनशील होते हैं, और वाणी व अधिकांश पर्यावरणीय शोर मध्य परास में ही होते हैं। A-वेटिंग उन निम्न और उच्च आवृत्तियों का योगदान घटा देती है, जिससे मिलने वाली संख्या इस बात से कहीं अधिक मेल खाती है कि आपको कुछ वाकई कितना तेज़ सुनाई देता है। शोर संबंधी लगभग सभी नियमों, कार्यस्थल जोखिम सीमाओं (जैसे OSHA का 85 dBA कार्रवाई स्तर) और नगरपालिका के शोर अध्यादेशों में यही वेटिंग इस्तेमाल होती है।

Z-वेटिंग (dBZ), जिसे कभी-कभी शून्य वेटिंग या रैखिक वेटिंग कहा जाता है, कोई आवृत्ति फ़िल्टर लागू ही नहीं करती। यह सभी आवृत्तियों पर ध्वनि दाब स्तर को समान रूप से मापती है। यह उन तकनीकी और अभियांत्रिकी मापों के लिए उपयोगी है जहाँ आपको वास्तविक ध्वनिक ऊर्जा जाननी हो, चाहे मनुष्य उसे कैसे भी अनुभव करें। उदाहरणों में मशीनों के कंपन-शोर का मापन, भवन ध्वनिकी का मूल्यांकन, या वातानुकूलन प्रणालियों की निम्न-आवृत्ति गूँज का विश्लेषण शामिल है।

रोज़मर्रा के अधिकांश मापों के लिए — यह जाँचना कि हेडफ़ोन बहुत तेज़ तो नहीं, यातायात का शोर मापना, कार्यस्थल के ध्वनि स्तर का प्रलेखन करना — आपको A-वेटिंग इस्तेमाल करनी चाहिए। जिन विशिष्ट तकनीकी कामों में पूरा वर्णक्रम चाहिए, वहाँ Z-वेटिंग पर स्विच करें।

NoiseLedger A-वेटिंग और Z-वेटिंग दोनों देता है, ताकि आप अपने उपयोग के अनुसार इनके बीच बदल सकें। कई मुफ़्त डेसिबल ऐप केवल A-वेटिंग देते हैं (या उससे भी बुरा, यह बताते ही नहीं कि कौन-सी वेटिंग इस्तेमाल कर रहे हैं), जिससे तकनीकी कामों में उनकी उपयोगिता सीमित हो जाती है।

FFT वर्णक्रम विश्लेषण : साधारण dB रीडिंग से आगे

एक अकेली डेसिबल संख्या बताती है कि आवाज़ कितनी तेज़ है, पर यह नहीं बताती कि उसमें कौन-सी आवृत्तियाँ मौजूद हैं। यहीं FFT (फ़ास्ट फ़ूरिये ट्रांसफ़ॉर्म) वर्णक्रम विश्लेषण काम आता है। FFT किसी जटिल ध्वनि को उसके अलग-अलग आवृत्ति घटकों में तोड़कर उन्हें ग्राफ़ के रूप में दिखाता है — क्षैतिज अक्ष पर आवृत्ति, ऊर्ध्वाधर अक्ष पर आयाम।

यह आपकी सोच से कहीं ज़्यादा मायने रखता है। मान लीजिए आपका डेसिबल मीटर आपके फ़्लैट में 65 dBA दिखा रहा है। क्या वह शोर बाहर के यातायात से आ रहा है (ज़्यादातर निम्न-आवृत्ति गड़गड़ाहट), आपके फ़्रिज के कंप्रेसर से (लगभग 120 हर्ट्ज़ के आसपास एक विशिष्ट स्वरिक गूँज), या पड़ोसी के टेलीविज़न से (मध्य परास में विस्तृत-पट्टी शोर) ? एक अकेली dB संख्या इसका जवाब नहीं दे सकती, पर FFT वर्णक्रम दे सकता है। 120 हर्ट्ज़ पर तीखी चोटी विद्युत गूँज की ओर इशारा करती

है। 500 हर्ट्ज़ से 2 किलोहर्ट्ज़ के बीच चौड़ा पठार वाणी या संगीत का संकेत देता है। निम्न आवृत्तियों की ओर बढ़ता ढलान यातायात या वातानुकूलन की गड़गड़ाहट दर्शाता है।

शोर की आवृत्ति-सामग्री पहचानना समस्या-निवारण में बहुत काम आता है। अगर आप जानते हैं कि कोई मशीन किसी विशिष्ट आवृत्ति पर अत्यधिक शोर कर रही है, तो अंदाज़ा लगाने के बजाय आप ध्वनिरोधन या कंपन अलगाव को ठीक उसी परास पर केंद्रित कर सकते हैं। अगर आप शोर की शिकायत का प्रमाण जुटा रहे हैं, तो FFT का स्क्रीनशॉट एक अकेली dB संख्या से कहीं अधिक उपयोगी साक्ष्य देता है।

NoiseLedger में वास्तविक समय का FFT वर्णक्रम विश्लेषण बिना किसी शुल्क के शामिल है। आप मापते समय ही किसी भी ध्वनि का आवृत्ति विभाजन देख सकते हैं, जिससे आप न सिर्फ़ यह समझते हैं कि शोर कितना तेज़ है, बल्कि यह भी कि वह ठीक-ठीक किन चीज़ों से बना है।

फ़ोन का डेसिबल मीटर बनाम पेशेवर उपकरण

यह व्यावहारिक तुलना आपको यह तय करने में मदद करेगी कि आपकी स्थिति के लिए कौन-सा साधन उपयुक्त है :

विशेषता	फ़ोन ऐप (कैलिब्रेट किया हुआ)	टाइप 2 मीटर	टाइप 1 मीटर
सटीकता	±2–3 dBA	±2 dBA	±1 dBA
आवृत्ति परास	~100 हर्ट्ज़–10 किलोहर्ट्ज़ प्रभावी	20 हर्ट्ज़–8 किलोहर्ट्ज़	10 हर्ट्ज़–20 किलोहर्ट्ज़
डायनामिक रेंज	~30–100 dBA	~25–140 dBA	~18–140 dBA
लागत	मुफ़्त (ऐप) + वह फ़ोन जो आपके पास पहले से है	$200–$800	$1,500–$5,000+
कैलिब्रेशन	मैनुअल ऑफ़सेट	फ़ैक्टरी + फ़ील्ड कैलिब्रेशन	प्रयोगशाला स्तर की अनुरेखणीय
कानूनी मान्यता	अनौपचारिक / प्रारंभिक जाँच	कई नियमों के लिए	पूर्ण कानूनी/नियामक
डेटा लॉगिंग	ऐप पर निर्भर	अंतर्निर्मित	अंतर्निर्मित + उन्नत

रोज़मर्रा के लगभग 90 प्रतिशत उपयोगों के लिए — कार्यस्थल का शोर जाँचना, उपकरणों की आवाज़ मापना, घर पर यातायात का शोर आँकना, हेडफ़ोन का स्तर देखना, या प्रारंभिक शोर सर्वेक्षण करना — कैलिब्रेट किया गया फ़ोन ऐप पर्याप्त सटीकता देता है। हार्डवेयर तो आप पहले से जेब में लिए घूमते हैं, और अच्छी तरह बना मुफ़्त ऐप आपको ऐसी सुविधाएँ (जैसे FFT और डेटा निर्यात) देता है जो कुछ मध्यम श्रेणी के पेशेवर मीटरों में भी नहीं होतीं।

पेशेवर उपकरण तब चाहिए जब कानूनी अनुपालन के लिए प्रमाणित यंत्र ज़रूरी हो (कार्यस्थल के OSHA ऑडिट, भवन संहिता अनुपालन, अदालती साक्ष्य), जब आपको 100 dBA से ऊपर की बेहद तेज़ आवाज़ें सटीकता से मापनी हों, या जब आपको अनुरेखणीय कैलिब्रेशन प्रमाणपत्र चाहिए। ऐसी स्थितियों में कोई भी फ़ोन ऐप — चाहे कितना भी अच्छा बना हो — वैध कैलिब्रेशन दस्तावेज़ वाले टाइप 1 या टाइप 2 मीटर की जगह नहीं ले सकता।

सबसे सटीक माप के लिए सुझाव

अपने फ़ोन से सर्वोत्तम संभव रीडिंग पाने के लिए ये व्यावहारिक कदम अपनाएँ :

- **फ़ोन का कवर हटा दें।** कवर, ख़ासकर मोटे या खुरदरे, माइक्रोफ़ोन को दबा सकते हैं और ऊँची आवृत्तियों को कमज़ोर कर सकते हैं। मापने से पहले कवर हटाने से यह चर हट जाता है।
- **फ़ोन को स्रोत से लगभग एक मीटर दूर रखें।** इससे दूरी मानकीकृत होती है और निकट-क्षेत्र प्रभाव से बचाव होता है, जो रीडिंग बिगाड़ सकते हैं। माइक्रोफ़ोन को ध्वनि स्रोत की ओर रखें।
- **पहले पृष्ठभूमि स्तर मापें।** लक्षित ध्वनि मापने से पहले पृष्ठभूमि शोर की रीडिंग लें। इससे समझ आता है कि आपकी रीडिंग का कितना हिस्सा स्रोत से है और कितना परिवेश से।
- **नियमित रूप से कैलिब्रेट करें।** समय के साथ माइक्रोफ़ोन की संवेदनशीलता थोड़ी खिसक सकती है। अगर आप निरंतर मापों के लिए फ़ोन पर निर्भर हैं, तो हर कुछ महीनों में — या जब भी कवर बदलें या ऑपरेटिंग सिस्टम अपडेट करें —

दोबारा कैलिब्रेट करें।

- **सही समय वेटिंग चुनें।** FAST अनुक्रिया (125 मिलीसेकंड) तेज़ उतार-चढ़ाव और क्षणिक ध्वनियाँ पकड़ती है। SLOW अनुक्रिया (1 सेकंड) उतार-चढ़ाव को समतल कर अधिक स्थिर औसत देती है। आवेगी शोर (हथौड़ा चलना, भौंकना) के लिए FAST और स्थिर शोर (वातानुकूलन, यातायात) के लिए SLOW इस्तेमाल करें।
- **हवा से बचें।** माइक्रोफ़ोन छिद्र के ऊपर से बहती हल्की हवा भी बड़ा निम्न-आवृत्ति शोर पैदा करती है, जो आपकी रीडिंग बढ़ा देता है। फ़ोन को हवा से बचाएँ या बाहर मापते समय छोटा फ़ोम विंडस्क्रीन इस्तेमाल करें।
- **उँगलियाँ माइक्रोफ़ोन से दूर रखें।** माइक्रोफ़ोन छिद्र के पास से फ़ोन पकड़ने पर ध्वनि रुक सकती है या परावर्तित हो सकती है। फ़ोन ऐसे पकड़ें कि माइक्रोफ़ोन तक ध्वनि स्रोत का रास्ता साफ़ और बेरोकटोक रहे।

NoiseLedger सटीकता को प्राथमिकता क्यों देता है

NoiseLedger इसी विचार पर बना है कि फ़ोन का डेसिबल मीटर उतना ही असली यंत्र के करीब होना चाहिए, जितना हार्डवेयर अनुमति दे। ऐप की हर सुविधा इसी लक्ष्य की सेवा करती है।

उपयोगकर्ता द्वारा तय ऑफ़सेट के साथ कैलिब्रेशन का मतलब है कि आपकी रीडिंग किसी सामान्य औसत के बजाय आपके अपने उपकरण को दर्शाती है। A-वेटिंग और Z-वेटिंग आपको वह मापन मानक चुनने देती हैं जो आपकी स्थिति से मेल खाता हो। FAST और SLOW समय अनुक्रिया आपको इस पर नियंत्रण देती है कि मीटर बदलते शोर स्तरों पर कैसे प्रतिक्रिया करे। वास्तविक समय का FFT वर्णक्रम विश्लेषण आपको मापी जा रही ध्वनि की आवृत्ति-सामग्री दिखाता है, न कि केवल एक संख्या। MIN, LEQ और MAX मानों के साथ सत्र रिकॉर्डिंग समय के साथ किसी शोर घटना की पूरी तस्वीर दर्ज करती है। और PNG तथा CSV निर्यात आपको अपने आँकड़े पेशेवर चार्ट या स्प्रेडशीट-तैयार फ़ाइल के रूप में साझा करने देता है।

ऐप पूरी तरह ऑफ़लाइन काम करता है, कोई विज्ञापन नहीं दिखाता और मुफ़्त डाउनलोड होता है। कोई सदस्यता नहीं, कोई इन-ऐप ख़रीद नहीं, कोई डेटा संग्रह नहीं।

NoiseLedger को iOS पर मुफ़्त डाउनलोड करें

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

फ़ोन ऐप पेशेवर मीटरों के कितने करीब हैं?

उचित कैलिब्रेशन के साथ, iOS पर एक अच्छा ऐप टाइप 2 साउंड लेवल मीटर के जमा-घटा 2 से 3 dBA के भीतर माप सकता है। यह सटीकता व्यक्तिगत शोर निगरानी, कार्यस्थल के प्रारंभिक सर्वेक्षण और आसपास के शोर की जाँच के लिए पर्याप्त है। औपचारिक नियामक अनुपालन के लिए, जहाँ कानूनन प्रमाणित यंत्र आवश्यक है, यह पर्याप्त नहीं है।

क्या फ़ोन का कवर सटीकता पर असर डालता है?

हाँ। मोटे कवर — ख़ासकर सिलिकॉन, रबर या मज़बूत सुरक्षा वाले — ऊँची आवृत्तियों की संवेदनशीलता 2 से 4 dB तक घटा सकते हैं और माइक्रोफ़ोन छिद्र को आंशिक रूप से ढक सकते हैं। सबसे सटीक रीडिंग के लिए मापने से पहले कवर हटा दें। अगर आप हमेशा कवर लगाकर ही मापते हैं, तो कैलिब्रेशन भी कवर लगाकर करें ताकि ऑफ़सेट उसका असर शामिल कर ले।

मुझे कितनी बार कैलिब्रेट करना चाहिए?

अगर आप फ़ोन का इस्तेमाल कभी-कभार अनौपचारिक मापों के लिए करते हैं, तो एक बार कैलिब्रेट करना और हर कुछ महीनों में दोबारा जाँच लेना काफ़ी है। अगर आप नियमित निगरानी (कार्यस्थल जाँच, लगातार शोर प्रलेखन) के लिए उस पर निर्भर हैं, तो हर महीने कैलिब्रेट करें, या जब भी आप कवर बदलें, iOS संस्करण अपडेट करें, या ऐसी रीडिंग देखें जो अपेक्षा से मेल न खाती हो।

क्या मैं फ़ोन की रीडिंग अदालत में इस्तेमाल कर सकता हूँ?

अधिकांश न्यायक्षेत्रों में फ़ोन आधारित शोर मापों को औपचारिक कानूनी साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जाता, क्योंकि यह

उपकरण अनुरेखणीय कैलिब्रेशन वाला प्रमाणित यंत्र नहीं है। फिर भी फ़ोन की रीडिंग सहायक दस्तावेज़ का काम कर सकती है — मसलन, समय के साथ अत्यधिक शोर का पैटर्न दिखाने के लिए। जिन साक्ष्यों को कानूनी कार्यवाही में टिकना है, उनके लिए वैध कैलिब्रेशन प्रमाणपत्र वाला टाइप 1 या टाइप 2 साउंड लेवल मीटर इस्तेमाल करें, या प्रमाणित उपकरणों से काम करने वाले ध्वनिकी सलाहकार की सेवा लें।

उद्धरण प्रारूप : Lubor Šimůnek (2026). फ़ोन के डेसिबल मीटर ऐप कितने सटीक हैं ? (2026 परीक्षण और तुलना). AppStoryo, lapnito.cz s.r.o..
https://appstoryo.com/hi/blog/how-accurate-phone-decibel-meter-apps
© 2026 lapnito.cz s.r.o.